महाराष्ट्र में शुरुआती अनुमान से 37% ज्यादा होगा चीनी उत्पादन!

जयश्री भोसले | पुणे

देश के दूसरे सबसे बड़े चीनी उत्पादक राज्य महाराष्ट्र में चीनी उत्पादन के अनुमान में एक बार फिर गड़बड़ी देखने को मिल रही है। पहले लगाए अनुमान के मुकाबले अब चीनी का उत्पादन 37 पर्सेंट बढ़कर 1 करोड़ टन तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। चीनी मिलें और राज्य सरकार भी नहीं समझ पा रही हैं कि उत्पादन में इतनी बढ़ोतरी कैसे होगी।

महाराष्ट्र के शुगर कमिश्नर संभाजी कडु पाटिल ने इस बात कि पुष्टि कर दी है कि इस साल चीनी का उत्पादन राज्य सरकार के अनुमान से ज्यादा रहेगा। उन्होंने कहा, 'हमने अपने शुरुआती अनुमान 73 लाख टन को रिवाइज कर 100 लाख टन कर दिया है। हालांकि, गन्ने के बुआई रकबे के अनुमान में कोई बदलाव नहीं हुआ है। चीनी का उत्पादन प्रति एकड़ उत्पादन क्षमता में बढ़ोतरी की वजह से बढ़ा है।'

पाटिल ने कहा, 'चीनी मिलों ने हमें बताया कि वे गन्ने की लगातार पेराई कर रही हैं, लेकिन वह खत्म नहीं हो रहा है।' सरकार और ट्रेडर्स का शुगर प्रॉडक्शन का अनुमान कई बार गलत साबित हुआ है। कभी इसकी वजह प्राकृतिक हालात होते हैं, तो कई बार इसमें जानबूझकर हेरफेर किया जाता है।

चीनी उत्पादन में अप्रत्याशित बढ़ोतरी के लिए अनुकूल बारिश को प्रमुख कारण बताया जा रहा है। पिछले साल अक्टूबर तक नियमित अंतराल पर बारिश होती रही थी। पाटिल ने कहा, 'हमारा अनुमान प्रति हेक्टेयर 80 से 83 टन पैदावार का था, लेकिन पैदावार बढ़कर 100 टन प्रति टन से ऊपर हो गई।' ICRA के वाइस प्रेसिडेंट सब्यसाची मजूमदार ने कहा, 'मौजूदा ट्रेंड्स के आधार पर 2017-18 के लिए डोमेस्टिक शुगर प्रॉडक्शन पहले के 2.6 करोड़ टन के अनुमान के मुकाबले अब कम से कम 33 पर्सेंट बढ़कर 2.7 करोड़ टन होने की उम्मीद है। हालांकि, इससे ज्यादा उत्पादन होने की संभावना को खारिज नहीं किया जा सकता है।' उन्होंने कहा कि बढ़ोतरी की मुख्य वजह महाराष्ट्र, उत्तरी कर्नाटक और उत्तर प्रदेश के प्रॉडक्शन में रिकवरी है। ICRA का अनुमान है कि 2017-18 के लिए क्लोजिंग स्टॉक 60 से 65 लाख टन रह सकता है।

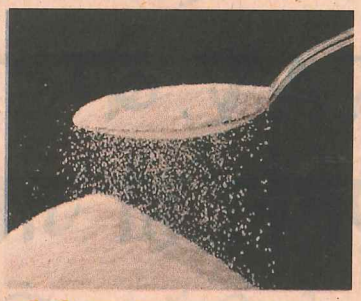

> "हमने शुरुआती अनुमान 73 लाख टन को रिवाइज कर 100 लाख टन कर दिया है। हालांकि, गन्ने के बुआई रकबे के अनुमान में कोई बदलाव नहीं हुआ है। चीनी का उत्पादन प्रति एकड़ उत्पादन क्षमता में बढ़ोतरी की वजह से बढ़ा है
>
> **संभाजी कडु पाटिल,**
> शुगर कमिश्नर, महाराष्ट्र

चीनी के रिकॉर्ड उत्पादन की वजह से इसकी कीमतें घटी हैं, जिससे किसानों के गन्ने के बकाया बढ़ा है। महाराष्ट्र में किसानों के लगभग 2,558 करोड़ रुपये बकाया हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश में बकाया रकम 4,673 करोड़ रुपये के करीब है।

The Economic Times (Hindi)
1/3/18